औषधि कौन पिलावे

औषधि कौन पिलावे
गुरु बिन औषधि कौन पिलावे,

भव व्याधि यह बहुत सतावेसुध बुध सारी भुलावे
गुरु बिन औषधि....

विषय विषम ज्वर अति घबरावे तृष्णा प्यास बढ़ावे
गुरु बिन औषधि....

ऐसो कौन कृपालु जग में आवागमन मिटावे
गुरु बिन औषधि....

आप भुला जग सब भुलावे ऐसो काम न आवे
गुरु बिन औषधि....

होवे का मिल नबज दिखाऊँ अमृत रंग पिलावे
गुरु बिन औषधि....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20758/title/oshadhi-kaun-pilawe-guru-bin

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |